

नरिशरति गोवंशीय पशुओं को गोद लेने के लिये मानदेय

चर्चा में क्यों?

सूत्रों के अनुसार, उत्तराखण्ड सरकार [नरिशरति गोवंशीय पशुओं](#) को गोद लेने वाले राज्यवासियों को एक नश्चिति मानदेय देने की योजना बना रही है।

मुख्य बदि:

- अधिकारियों के अनुसार, लोगों को प्रतपशु 80 रुपए दयि जाएंगे तथा वशिष मामलों में यह राश 100 रुपए तक हो सकती है, यदपशु अत्यधिक बीमार हो तथा उसे अतरिक्त देखभाल की आवश्यकता हो।
- [उत्तराखण्ड पशु कल्याण बोर्ड \(Uttarakhand Animal Welfare Board- UAWB\)](#) द्वारा उपलब्ध कराए गए आँकड़ों के अनुसार, राज्य में कुल 60 पंजीकृत गोवंश आश्रय स्थल हैं, जनिमें वर्तमान में 14,000 गोवंश हैं

नोट: गोवंशीय पशु बोस वंश का एक पालतू, फटे खुर वाला जुगाली करने वाला पशु है, जैसे- बकरी, गाय, भैंस, बाइसन, हरिण या भेड़